सांध्य दैनिक 4PM

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये, अपने दर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।
–डेल कार्नेगी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 277 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 16 नवम्बर, 2023

कोहली ने लगाया वनडे में शतकों का... 7 | मप्र के महाकौशल में कांग्रेस फिर मारेगी... 3 | सिंधिया ने जनता की पीठ में घोंपा... 2

प्रियंका-राहुल के बहाने कांग्रेस के निशाने पर आए मोदी

सिंधिया के पार्ट टाइम नेता बताने पर भड़के कांग्रेसी

- » श्रीनेत बोलीं- पीएम से पूछें वे कैसे नेता हैं
- » राहुल बोले- मैं गरीबों को देता हूं पैसा इसलिए चिढ़ते हैं पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मप्र में चुनाव प्रचार के बाद अब चुनावी तलवार राजस्थान में वार करने लगी है। कांग्रेस ने भाजपा पर हमला जारी रखते हुए कहा है पीएम मोदी को पांच राज्यों में हार दिख रही है इसलिए वह बौखलाकर कांग्रेस के नेताओं पर उलजुलूल बातें कह रहे हैं। इस सब के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुझसे चिढ़ क्यों मचती है? उन्होंने बताया कि इसकी वजह ये है कि वह जितना पैसा वह एक बिजनेस मैन को देते हैं, मैं उतना गरीबों को देने वाला हूं, वो इस राजनीति से चिढ़ते हैं।

वहीं सिंधिया द्वारा प्रियंका गांधी को पार्ट टाइम नेता कहने पर भी कांग्रेस आगबबूला हो गई है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सिंधिया पर हमला करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछिए कि वह पार्ट टाइम नेता है या फुल टाइम। जिनकी बोलती उन्होंने बार-बार बंद कर दी। श्रीनेत ने सिंधिया को सोशल मीडिया पर लिखा कि जहां तक आपके परिवार के सपूतों की बात का जिक्र करते हुए कहा कि इसका उल्लेख तो खुद मोदी सरकार की आजादी के अमृत महोत्सव की वेबसाइट में यह कहकर किया था कि जयाजीराव सिंधिया अंग्रेजों से मिले हुए थे। जब रानी लक्ष्मी बाई ने अपने प्राणों की आहुति दी। श्रीनेत ने कहा कि मेरे द्वारा इस खबर को सार्वजनिक करने पर आपने वो पेज वेबसाइट से हटवाया था। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि हम क्या बोलते और सोचते है। आपको चिंता तो यह करनी चाहिए कि आपके आका और आपकी सरकार आपके परिवार के बारे में क्या सोचती है।

जो बीत गया उसे भूल जाना चाहिए : पायलट

अशोक गहलोत के बीच खींचतान के बारे में बात करते हुए सचिन पायलट ने कहा, हमें आगे बढ़ना होगा, जो बीत गया उसे भूल जाना चाहिए, जो भी कहा गया, उसे हमें भूलना होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसे छोड़ो! किसने क्या कहा...मैंने जो कहा है, उसके लिए मैं जिम्मेदार हो सकता हूं। उन्होंने कहा कि हमें राजनीतिक चर्चाओं में गरिमा और प्रवचन बनाए रखना चाहिए। जिसने भी वे सभी शब्द कहे हैं जिनका आपने उल्लेख किया है, मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि मैं इस तरह से नहीं बना हूं और हमें अब आगे बढ़ना होगा, जो कुछ भी कहा गया था उसे भूल जाना चाहिए, हमें भूलने और आगे बढ़ने की जरूरत है।

सत्ता की मलाई चाटते वक्त बातें याद नहीं रहती : श्रीनेत

श्रीनेत ने लिखा कि आपके बाकी अनर्गल आरोप तो वाट्सअप के ज्ञान का हिस्सा है, जिनको आपने अब तक अच्छे से रट लिया है। उन्होंने लिखा कि जिस परिवार के चलते आप राजनीति में आए। उस परिवार से इतनी तकलीफ थी तो सत्ता की मलाई चाटते वक्त यह बातें याद नहीं आयीं? पंडित नेहरू के बारे में बोलने से पहले यह बताइए कि मोदी इतना रोते क्यों हैं? देश के प्रथम प्रधानमंत्री ब्रिटिश हुकूमत के 200 साल बाद जब देश आजाद हुआ तो सीधे राष्ट्र निर्माण में जुट गये, गुलामी का रोना नहीं रोया। श्रीनेत ने आगे कहा कि आप इंदिरा जी का जिक्र करने लायकनहीं हैं। उन्होंने लाख विदेशी ताकतों के विरोध के बावजूद पाकिस्तान के दो टुकड़े करके विश्व का भूगोल बदला। पीएम मोदी की तरह फ्री में बिरयानी खाने लाहौर नहीं लपकी चली गयीं थीं। श्रीनेत ने आगे कहा कि राहुल गांधी के चलते आप सत्ता में आगे बढ़े। उन्होंने आपकी तरह अपने उसूलों का गला घोंट कर दुम दबा कर सत्ता के लोभ में पाला नहीं बदला, बल्कि सच बोलने की भारी कीमत चुकाई और इस देश को जोड़े रखने के लिए 4000 किलोमीटर पैदल नाप दिये। श्रीनेत ने ग्वालियर-चंबल का जिक्र करते हुए कहा कि सूपड़ा किसका साफ होगा यह जनता दिखा देगी।

मोदी जी जितनी भी गाली दे लें मैं पीछे नहीं हटूंगा : राहुल

दरअसल, राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है, इसमें पीएम मोदी के भाषण की एक क्लिप है, पूरी वीडियो एक मिनट 20 सेकेंड की है, जिसमें से आधे हिस्से में पीएम मोदी की, जबकि वीडियो के आधे हिस्से में राहुल गांधी के भाषण की क्लिप है, इस वीडियो का टाइटल दिया गया है, क्यों चिढ़े हो मोदी जी, इस वीडियो को राहुल के व्हाट्सऐप पर शेयर करते हुए बताया गया है कि आखिर पीएम मोदी कांग्रेस नेता से क्यों चिढ़ते हैं। इस वीडियो की शुरुआत में पीएम मोदी कहते हैं, कांग्रेस अब सातवें आसमान पर उड़ रही है, हवा में उड़ रही है, मैंने सुना कि कल कांग्रेस के एक महाज्ञानी कह रहे थे कि भारत के लोगों के पास मेड इन चाइना मोबाइल फोन होता है, फिर वीडियो में राहुल का हिस्सा शुरू होता है, जिसमें कांग्रेस नेता कहते हैं, पीएम मोदी यहां आते हैं, मेरे बारे में गलत बातें कहते हैं, मुझे गाली देते हैं और उल्टी-सीधी बातें करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

राजस्थान में हमसब एकजुट फिर लहराएगा कांग्रेस का परचम

जैसे ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को चुनावी राज्य में अपने पूरे दिन के चुनाव अभियान से पहले जयपुर पहुंचे, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके पूर्व डिप्टी सचिन पायलट को एक साथ राहुल गांधी का स्वागत करते देखा गया। चुनाव से पहले अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मतभेद की अटकलों के बीच राहुल गांधी ने कहा, हम एक साथ नहीं दिख रहे हैं, लेकिन हम एकजुट हैं और एकजुट रहेंगे। राजस्थान में कांग्रेस का परचम लहराएगा।राहुल गांधी का एकता का बयान बुधवार को अशोक गहलोत की एक्स पोस्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने पार्टी की एक बैठक की तस्वीर साझा की थी जिसमें सचिन पायलट भी शामिल हुए थे। एक साथ, जीत, फिर से,गहलोत ने पोस्ट को कैप्शन देते हुए संकेत दिया कि गहलोत और पायलट दोनों ने मतभेद खत्म करने का फैसला किया है।

अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम को ईडी का समन

- » न्यूजक्लिक फंडिंग केस : दुनियाभर में चीनी प्रचार करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यूज़क्लिक कथित फंडिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने विदेश मंत्रालय के जरिए अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम को समन भेजा है। नेविल राय फिलहाल चीन में हैं। दिल्ली की एक अदालत ने सबसे पहले ईडी को लेटर ऑफ रोगेटरी जारी किया। दरअसल पिछले साल चीनी अधिकारियों ने सिंघम को समन देने से इनकार कर दिया था।

ईडी ने उन्हें न्यूजक्लिक फंडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी बनाया है, बता दें कि सीबीआई ने दो महीने पहले न्यूजक्लिक के खिलाफ़ एफसीआरए उल्लंघन का मामला दर्ज किया था और नेविल रॉय सिंघम को आरोपी बनाया था, अब उनको समन जारी किया गया है।सूत्रों के मुताबिक ईडी जेल में बंद न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की हिरासत भी मांगेगी। नेविल रॉय सिंघम का नाम सबसे पहले द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में सामने आया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अमेरिकी करोड़पति दुनिया भर में चीनी प्रचार फैलाने में शामिल थे। नोविल ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया है, बता दें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले महीने न्यूजक्लिक के संपादक बीर पुरकायस्थ और इसके एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया था। पत्रकारों और कार्यकर्ताओं समेत करीब 100 लोगों पर 100 जगहों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तारियां की गई थीं।

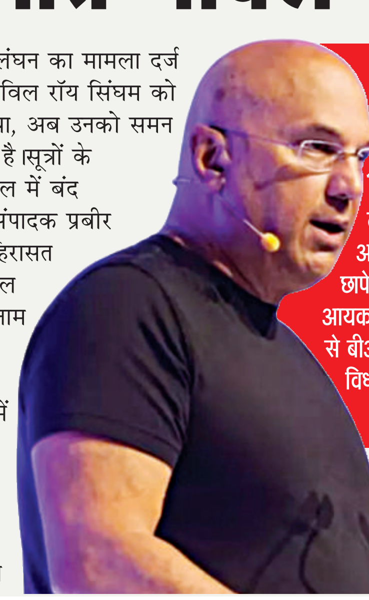

तेलंगाना में बीआरएस उम्मीदवार भास्कर राव के ठिकानों पर आयकर का छापा

तेलंगाना में इस महीने के आखिर में विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग होनी है, लेकिन वोटिंग से पहले राज्य में आयकर विभाग की लगातार छापेमारी हो रही है। गुरुवार को आयकर विभाग ने तेलंगाना में मिर्यालगुडा से बीआरएस उम्मीदवार और मौजूदा विधायक नल्लामोथु भास्कर राव के कार्यालयों, आवासों और कुछ करीबियों के यहां पर छापेमारी शुरू कर दी है। नल्लामोथु भास्कर राव को 2014 में नवगठित राज्य तेलंगाना में मिर्यालगुडा निर्वाचन क्षेत्र के विधानसभा सदस्य (एमएलए) के रूप में चुना गया था। इसके बाद 2018 में उन्हें मिर्यालगुडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में फिर से चुना गया। वह 1969 में छात्र संघ, एसआर और बीजीएनआर कॉलेज के महासचिव के रूप में पहले तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय भागीदार थे। इससे पहले आयकर विभाग ने हैदराबाद में तेलंगाना की मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी के रिश्तेदारों के आवास पर तलाशी ली थी। आयकर अधिकारियों ने गाचीबोवली के एक अपार्टमेंट में रहने वाले प्रदीप के आवास की तलाशी ली।प्रदीप मंत्री के करीबी रिश्तेदार हैं। आईटी ने रेड्डी के अन्य रिश्तेदारों के आवासों की भी तलाशी ली।

सिंधिया ने जनता की पीठ में घोंपा छुरा : प्रियंका

» बोलीं- महाराज जी नहीं कहने पर नहीं होते काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए जारी धुआंधार कैंपेन के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दतिया में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधिया ने ग्वालियर और चंबा की जनता के साथ विश्वासघात किया। प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कहा, इनके सारे नेता बड़े विचित्र टाइप के नेता हैं, पहले तो हमारे सिंधिया जी...जानते हैं...मैंने उनके साथ यूपी में काम किया, क्या है कि कद भी थोड़े छोटे पड़ गए, लेकिन अहंकार में वाह भई वाह...जब हम यूपी में काम कर रहे थे, तो यूपी वाले हैं तो शिकायत, गुस्सा और नाराजगी सब निकाल देते हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया को इससे बेहतर आईना उनकी गद्दारी के लिए किसी और ने नहीं दिखाया है। उन्होंने आगे कहा, महाराज बोलने की आदत नहीं है, लेकिन उनके पास जो भी कार्यकर्ता जाता था कहता था कि दीदी महाराज महाराज कहना पड़ता है, हमारे मुंह से नहीं निकलता है तो काम ही नहीं होता है, वैसे अपने परिवार की परंपरा उन्होंने अच्छे से निभाई है, विश्वासघात तो बहुत से लोगों ने किया है, लेकिन ग्वालियर और चंबा की जनता के साथ विश्वासघात किया है। आपके पीठ पर छुरा घोंपा है, बनी बनाई सरकार को गिरा दिया। आपने सरकार बनाई थी। बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई विधायकों के साथ कांग्रेस में बगावत कर दी थी और सभी बीजेपी में शामिल हो गए थे। इसके बाद कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में बीजेपी ने सरकार बनाई। कांग्रेस इस मुद्दे को विधानसभा चुनाव में खूब उठा रही है।

वंचितों की सही संख्या का पता लगने पर बदल जाएगा देश : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर जातिगत जनगणना की वकालत की और कहा कि जिस दिन देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों को अपनी सच्ची आबादी पता लग जाएगा, उस दिन यह मुल्क हमेशा के लिए बदल जाएगा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) शब्द को लेकर (प्रधानमंत्री) चुने गए हैं लेकिन जब ओबीसी को हक देने का समय आता है तब वह इससे इनकार करते हैं। कांग्रेस नेता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, नरेन्द्र मोदी जी जाति जनगणना करें या ना करें, जिस दिन छत्तीसगढ़ में दोबारा कांग्रेस की सरकार आएगी जाति का सर्वे यहां शुरू हो जाएगा। जिस दिन दिल्ली में हमारी सरकार आएगी पहला हस्ताक्षर जाति जनगणना पर होगा।

पहले वाली भाजपा नहीं रही : अमीन पठान

» बीजेपी का बड़ा अल्पसंख्यक चेहरा अब कांग्रेस में पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अमीन पठान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष रहे हैं। उनके साथ कई पार्षदों और भाजपा पदाधिकारियों ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली। अमीन पठान राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख अल्पसंख्यक चेहरों में शामिल रहे और लंबे समय से पार्टी से जुड़े रहे हैं। लेकिन पार्टी ने उन्हें एक बार भी विधायक का टिकट नहीं दिया। वहीं, इस बार तो पार्टी एक भी मुस्लिम चेहरे को मैदान में नहीं उतारा है।

अमीन पठान ने कहा कि उन्होंने 25 साल भाजपा में काम किया। पार्षद से लेकर कई पदों पर रहे। पहले अटल बिहारी वाजपेयी और भैरों सिंह शेखावत की जो भाजपा थी, वह अब नहीं रही। आज जो नारा है, सबका साथ, सबका विकास यह पहले दिखता था। आज नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि भारत का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ी कितने दिन तक जंतर-मंतर पर धरना देकर बैठे रहे। किसान, मजदूर और गरीबों की भाजपा में अनदेखी हो रही है, इसलिए भाजपा को छोड़ा। कांग्रेस ने कई नीतियां बनाई। खिलाड़ियों से लेकर हर वर्ग के लिए काम किया, इससे प्रभावित होकर कांग्रेस ज्वाइन की है।

दिल्ली सरकार व एलजी में फिर रार

» केजरीवाल ने की सबसे बड़े अफसर को हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित भूमि घोटाले के सिलसिले में मुख्य सचिव को बर्खास्त करने की सिफारिश करते हुए सतर्कता मंत्री आतिशी की एक रिपोर्ट दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजी है। आतिशी की 650 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट में दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार पर द्वारका एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बामनोली गांव में जमीन के एक टुकड़े के लिए अत्यधिक मुआवजा पुरस्कार बढ़ाने में शामिल होने का आरोप लगाया गया है, ताकि नरेश कुमार का बेटा से जुड़ी कंपनी को अवैध लाभ पहुंचाया जा सके।

सीएम ने मंत्री आतिशी को सीबीआई और ईडी को रिपोर्ट भेजने के भी निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि द्वारका एक्सप्रेसवे पर भूमि अधिग्रहण में मुख्य सचिव नरेश कुमार के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम जिला मजिस्ट्रेट हेमंत कुमार और भूमि मालिकों की कनेक्शन और कालक्रम प्रथम दृष्टया मिलीभगत का आभास देते हैं। आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार सहित दिल्ली के सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घोटाले के पैमाने को 312 करोड़ रुपये से कम आंकने की साजिश का भी खुलासा किया है, जबकि वास्तविक मुआवजा पुरस्कार के परिणामस्वरूप लाभार्थियों को 850 करोड़ रुपये का अवैध लाभ हुआ होगा।

भाजपा राज में खंडित हो रहे यदुवंशी: लालू

» राजद सुप्रीमों के बयान पर सियासत गरमाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लालू यादव की राजनीति यादवों और मुस्लिम वोट पर आधारित रही है। इसकी कड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान लालू यादव ने कहा था कि जहां-जहां भाजपा का राज है, वहां-वहां यदुवंशियों को खंडित किया जा रहा है। इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि लालू यादव जेल जाएंगे तो पत्नी मुख्यमंत्री बनेगी फिर बेटा उपमुख्यमंत्री बनेगा। अब उन्हें (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बनाने के लिए परेशान हैं।

एक पुत्री लोकसभा में हारने के बाद राज्यसभा में जाएगी। तो आपने(लालू यादव) यादव समाज की नहीं बल्कि अपने परिवार की चिंता की। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है और केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय की पत्नी के बारे में उनकी हालिया टिप्पणी के बाद उन्हें आदतन अपराधी करार दिया है। लालू ने कहा कि हाजीपुर में जो केंद्रीय राज्य मंत्री हैं, वे हमारी पार्टी में शामिल होने के लिए अप्रोच करते थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें यादवों का मुख्यमंत्री बनाने की बात की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे कहते थे की लालू यादव ने राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया, राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री नहीं बनाते तो क्या तुम्हारी बीवी को मुख्यमंत्री बनाते?

पूरे समाज को अपने परिवार का बंधक बना रखा: रविशंकर

भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अपने पूरे समाज को अपने परिवार का बंधक बना रखा है। लालू यादव जेल जाएंगे तो पत्नी मुख्यमंत्री बनेगी फिर बेटा उपमुख्यमंत्री बनेगा। अब उन्हें (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बनाने के लिए परेशान हैं। वहीं गृह राज्य मंत्री और भाजपा नेता नित्यानंद राय ने कहा कि मैंने लालू यादव से अनुरोध किया कि जब वह जेल जा रहे थे तो वह अपनी पत्नी को स्थापित करने के बजाय यादव समुदाय के किसी अन्य सक्षम नेता को बिहार का मुख्यमंत्री बना सकते थे। उन्होंने अपनी पत्नी को क्यों चुना।

भाजपा ने किए बस झूठे वादे : अखिलेश

» बोले- मप्र में दिख रही है परिवर्तन की लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित मध्य प्रदेश में 'परिवर्तन की लहर' दिखाई दे रही है। उन्होंने सत्ता बरकरार रखने के लिए मतदाताओं से 'झूठे वादे' करने को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन निवाड़ी से अपनी पार्टी की उम्मीदवार मीरा यादव के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अपने सहयोगी दल कांग्रेस पर हमला करते हुए यादव ने कहा कि कांग्रेस ने जब केंद्र में सरकार का नेतृत्व किया तो उसने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल रही है और सपा उम्मीदवार रिकॉर्ड अंतर से चुनाव जीतने जा रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिव इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया गठबंधन') के सबसे बड़े घटक कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व समझौता करने में विफल रहने के बाद सपा ने मध्य प्रदेश में 71 उम्मीदवार खड़े किए हैं, जहां 230 सदस्यीय विधानसभा है। 'कांग्रेस और भाजपा ने मध्य प्रदेश में सरकारें बनाईं लेकिन लोग दुखी रहे। कांग्रेस अपने विधायकों को लूटने से नहीं बचा सकी। भाजपा ने उन्हें लूट लिया।' यादव मार्च 2020 में पार्टी विधायकों के एक वर्ग के विद्रोह के बाद कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के पतन का जिक्र कर रहे थे, जिससे 15 महीने बाद मप्र में भाजपा की सत्ता में वापसी का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने अपने वादे पूरे नहीं करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा। सपा नेता ने सवाल किया, 'भाजपा ने युवाओं को नौकरी देने का वादा किया, किसानों से कहा गया कि उनकी आय दोगुनी हो जाएगी और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा।

सपा प्रत्याशी मिर्ची बाबा पर एफआईआर दर्ज

प्रदेश की सबसे हाई प्रोफाइल विधानसभा सीट बुधनी से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार मिर्ची बाबा पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पिछले दिनों जनसंपर्क के दौरान मतदाताओं को साड़ी बांटने का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। विधानसभा निर्वाचन के तहत बुधनी विधानसभा में चुनाव प्रचार के दौरान सपा प्रत्याशी स्वामी वैराग्यानंद मिर्ची बाबा का साड़ी बांटने का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा था। इसकी निर्वाचन आयोग को शिकायत भी की गई थी। इसके बाद रिटर्निंग अधिकारी राधेश्याम बघेल ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को नोटिस जारी किया था। उल्लेखनीय है कि 11 नवंबर 2023 को शाम 7 बजे के बीच ग्राम होलीपुरा में सपा प्रत्याशी स्वामी वैराग्यानंद उर्फ मिर्ची बाबा द्वारा अपने पक्ष में मतदान करने के लिए पारितोषण स्वरूप साड़ियों का वितरण कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया था। जिसका वीडियो वायरल होने पर रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इसकी जांच कराई गई। जांच में प्रत्याशी द्वारा साड़ी वितरण किया जाना सही पाया गया।

आदिवासी वोटर भी करेंगे कमाल

- सियासी दलों की नजर में अहम वोट
- कांग्रेस व बीजेपी रिझाने में जुटी
- पांचों राज्यों में डालेंगे चुनावों में प्रभाव
- मध्यप्रदेश में आदिवासी होंगे बड़े निर्णायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावों की वैतरणी पार करने के लिए सियासी दल उस हर चौखट पर मत्था टेकने जा रहे हैं जहां से उन्हें वोट की उम्मीद है। आम मतदाता के साथ खास मतदाता को अपने पाले में करने की जुगत में लगभग सभी दल लगे हुए हैं । कांग्रेस, बीजेपी, सपा, आप, बसपा से लेकर एक सदस्यीय व्यक्ति वाला राजनीतिक दल हो सब हर उस वोटर को साधना चाहता है जो उसे सत्ता का सुख पहुंचा सकता है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में आदिवासी मतदाता को अपनी आकर्षित करने के लिए राहुल, मोदी सब बेकरार हैं। इसलिए देश के दोनों बड़े दलों के बड़े दिग्गज नेता आदिवासी लोगों के बीच जाकर उनको लोकलुभावन वादों से अपनी ओर रिझाने का प्रयास करने में जुटे हैं। चूकि खासतौर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम आदिवासी ही सरकार बनाने की भूमिका में निर्णायक भूमिका निभाते है, तो अन्य राज्यों में भी इनकी भूमिका बहुत अहम है। यही कारण है कि भाजपा सहित सभी सियासी दल इन्हें साधने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 15 नवंबर को आदिवासियों के नायक भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर विभिन्न योजनाओं की शुरुआत करेंगे। पांच चुनावी राज्यों की कुल 679 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, लेकिन इसमें आदिवासियों के लिए 155 सीटें आरक्षित हैं। मध्यप्रदेश, छत्तीसग? और मिजोरम में आदिवासी मतदाता ही सरकार बनाने की भूमिका में निर्णायक भूमिका निभाते हैं, तो अन्य राज्यों में भी इनकी भूमिका बहुत अहम है। यही कारण है कि भाजपा सहित सभी सियासी दल इन्हें साधने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मध्यप्रदेश में आदिवासियों का हिस्सा लगभग 21.10 फीसदी है। यानी मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि राज्य का हर पांचवा मतदाता आदिवासी है। इस समय प्रदेश में इनकी अनुमानित जनसंख्या लगभग दो करो? है। मध्यप्रदेश विधानसभा में कुल 230 सीटें हैं। इनमें 47 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। लेकिन माना जाता है कि आदिवासी समुदाय राज्य की 84 सीटों को प्रभावित करता है। कहा जाता है कि मध्यप्रदेश में किसकी सरकार बनेगी, यह आदिवासी मतदाता तय करते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के परिणाम इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा भी करते हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 47 सुरक्षित आदिवासी सीटों में 30 पर सफलता हासिल की थी। इस कारण वह सत्ता तक पहुंचने में सफल रही थी। इसके पूर्व यानि 2013 में भाजपा ने इन्हीं 47 सीटों में 31 सीटों पर जीत हासिल की थी और उसने सरकार बनाने में सफलता पाई थी। इस बार आदिवासियों का दिल जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपना जोर लगा रखा है।

छत्तीसगढ़ में 29 विधानसभा सीटों पर आदिवासियों का दबदबा

चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ की विधानसभा में कुल 90 सीटें हैं। इनमें लगभग एक तिहाई यानी 29 विधानसभा सीटों को आदिवासियों के लिए सुरक्षित रखा गया है। राज्य की कुल आबादी में आदिवासियों का हिस्सा करीब 34 फीसदी है, स्वाभाविक रूप से इस राज्य में भी आदिवासी मतदाता यह तय करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि प्रदेश में किसकी सरकार बने। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इन सुरक्षित सीटों में 27 पर जीत हासिल की थी और कांग्रेस बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल रही थी। भाजपा केवल दो आदिवासी सुरक्षित सीटें जीत पाई थी। इस बार भाजपा को लगता है कि उसने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समुदाय को गौरव प्रदान किया है, ऐसे में उसे इनका साथ मिल सकता है। चूंकि, द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओड़िशा की रहने वाली हैं और एक अन्य पड़ोसी राज्य झारखंड की राज्यपाल भी रही हैं, भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। राज्य के गठन से ही भाजपा यहां की सत्ता की सबसे प्रबल दावेदार रही। इस बार भी पीएम नरेंद्र मोदी आदिवासियों को यह बता रहे हैं कि छत्तीसगढ़ का गठन भाजपा ने ही किया था और वही इसका विकास भी करेगी। यानी भाजपा भावनातमक मुद्दे पर आदिवासियों को साधने की कोशिश कर रही है। वहीं, कांग्रेस को भूपेश बघेल सरकार में ग्रामीण आदिवासियों के लिए किये गए कार्यों पर भरोसा है। जिस तरह गाय के गोबर को खरीदने की योजना शुरू की गई है, इसका सबसे ज्यादा लाभ आदिवासियों को ही हुआ है। यह गरीबों के लिए एक आकर्षक आय का स्रोत बनकर उभरा है। किसी भी भावनात्मक मुद्दे की बजाय आर्थिक लाभ मतदाताओं को ज्यादा मजबूती के साथ आकर्षित कर सकते हैं। ऐसे में आदिवासी मतदाताओं पर कांग्रेस का दावा भी किसी भी तरह से कमजोर करके नहीं आंका जा रहा है। हालांकि, नई-नई बनी हमर राज पार्टी उसके लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

राजस्थान में 45.5 लाख आदिवासियों पर सियासी दलों की नजर

चुनावी राज्यों में भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जा रहे राजस्थान में 200 विधानसभा सीटें हैं। इनमें 28 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। राज्य के आठ जिलों में 45.5 लाख आदिवासी रहते हैं। मेवात क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण है। इसका महत्व देखते हुए ही पीएम मोदी ने इस क्षेत्र के मानगढ़ धाम में जनसभा को संबोधित कर आदिवासियों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की तुलना में कम हिस्सेदारी होने के बाद भी पिछले तीन चुनावों का परिणाम यही है कि जिस राजनीतिक दल ने आदिवासियों का दिल जीता, जयपुर में सरकार उसी ने चलाई। भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए ही खतरे की घंटी बनकर उभरी है। पिछले चुनावों में इस पार्टी ने कोई बड़ी सफलता नहीं हासिल की थी, लेकिन थोड़े बहुत वोटों के कटने से भी यहां परिणाम में बड़ा परिवर्तन हो सकता है।

तेलंगाना में भी बड़ी भूमिका

तेलंगाना की कुल 119 सीटों में से 12 सीटें आदिवासी समुदाय के लिए आरक्षित हैं। कम सीट संख्या होने के बाद भी यह सभी दलों की प्रमुखता में आता है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के आदिवासियों को लुभाने के लिए उनकी देवी सम्मक्का-सरक्का के नाम पर विशेष आदिवासी विश्वविद्यालय खोलने का एलान किया है। इसके लिए 900 करो? रुपये का विशेष फंड निर्धारित कर नियमों में बदलाव को भी स्वीकृति दे दी गई है। वहीं, कांग्रेस का दावा है कि जिस तरह उसने कर्नाटक की सभी 15 आदिवासी सीटें जीतने में सफल रही थी, उसी तरह वह यहां भी सभी सीटें जीतने में सफल रहेगी।

मिजोरम में निगाह 98 फीसदी आबादी पर

मिजोरम की लगभग 98 फीसदी आबादी आदिवासी समुदाय की विभिन्न जातियों की है। यही कारण है कि यहाँ के विधानसभा की 40 सीटों में से 39 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे धन-बल के प्रभाव में कोई शक्तिशाली व्यक्ति या दल आदिवासियों को प्रभावित कर यहां की सत्ता पर काबिज न हो सके। यहां की सत्ता में आदिवासियों के लिए लगभग सौ फीसदी आरक्षण यह सुनिश्चित करता है कि आदिवासी समुदाय अपना शासन-प्रशासन स्वयं संभालें और अपनी प्राथमिकताओं को देखते हुए राज्य का विकास करें।

मप्र के महाकौशल में कांग्रेस फिर मारेगी बाजी

पिछले विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की सत्ता की कुंजी माने जाने वाले महाकौशल क्षेत्र में कांग्रेस ने यहां की 38 में से 24 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन इस बार उसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कड़ी चुनौती मिल रही है. मतदाताओं का एक वर्ग जहां बदलाव की बात करता है, वहीं कमोबेश यही प्रतिशत उन लोगों का है जो मोदी और मामा के कार्यों की सराहना करते नहीं थकता। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है. नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। लिहाजा, ऊंट किस करवट बैठेगा, ये तो उसके बाद ही पता चलेगा। भाजपा की रणनीति पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के प्रभाव वाले इस इलाके में अपने 'महा समीकरण के जरिए उनके कौशल को घेरने की है तो कांग्रेस भी पिछले चुनाव में मिली बढ़त को बरकरार रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। भाजपा के लिए ये क्षेत्र कितना महत्व रखता है कि इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने विधानसभा चुनाव में जिन तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात सांसदों को उतारा है उनमें से दो केंद्रीय मंत्री सहित चार सांसद इस क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। महाकौशल का 'प्रवेश द्वार कहे जाने वाले जबलपुर के आशीष सोनकर 'डबल इंजन सरकार की वकालत करते हैं और कांग्रेस को 'सनातन विरोधी बताते हैं। प्रदेश की जनता केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुई है, इसलिए वह फिर एक बार भाजपा की सरकार चाहती है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां शानदार प्रदर्शन कर राज्य की सत्ता में वापसी की थी वहीं भाजपा 13 सीटों पर सिमट गई थी. इससे पहले 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महाकौशल से बढ़त मिली थी। उसने 24 सीटें जीती थीं तो कांग्रेस 13 सीटों पर सिमट गई थी। महाकौशल क्षेत्र में जबलपुर, छिंदवाड़ा, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडोरी और बालाघाट शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए यहां की 13 सीटें आरक्षित हैं कांग्रेस ने पिछले चुनाव में इनमें से 11 सीटें जीती थीं जबकि शेष दो सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। क्षेत्र में भाजपा का प्रचार अभियान भी मोदी केंद्रित है। पोस्टरों व बैनरों में 'मामा के नाम से लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा मोदी की एक बड़ी तस्वीर हर विधानसभा क्षेत्र में दिखती है और जिस पर लिखा होता है 'मध्य प्रदेश के मन में मोदी। लोगों के मन में महाकौशल के पिछड़ेपन की टीस भी दिखती है और उन्हें यह अफसोस भी है, कि जो जबलपुर कभी रायपुर और नागपुर से भी आगे हुआ करता था वह आज इंदौर और भोपाल से कहीं पीछे छूट गया है।

छिंदवाडा में कमलनाथ का प्रभाव

छिंदवाड़ा के युवा विवेक सोनी ने कहा कि कांग्रेस के लिए महाकौशल की क्या प्रमुखता है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कमल नाथ की मंत्रिपरिषद में दो सदस्य महाकौशल के थे और उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक जबलपुर में कर क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि इस दफा कमल नाथ के लिए छिंदवाड़ा की सभी सात सीटें जीतना चुनौती होगी। जबलपुर स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रमुख प्रोफेसर विवेक मिश्रा ने कहा, ''विगत छह महीनों में वर्तमान सरकार ने लाडली बहनों को लेकर जो काम किया है उसका असर देखने को मिल रहा है. इसने परिदृश्य बदला है। विवेक मिश्रा ने कहा कि दूसरा पहलू यह है कि भाजपा ने केंद्रीय नेताओं को जो मैदान में उतारा है, वह अपनी सीट के साथ-साथ आस-पड़ोस की सीटों को भी प्रभावित कर रहे हैं, उन्होंने कहा, शुरू में सत्ता विरोधी लहर थी, लेकिन भाजपा ने बहुत हद तक इसे कम किया है. उसने आदिवासी वर्ग को साधने पर भी काफी ध्यान दिया है. अभी यह कह पाना बहुत मुश्किल है कि कौन महाकौशल पर कब्जा करेगा।

जनता बहुत जागरूक, बेरोजगारी रहेगा मुद्दा

महाकौशल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संयुक्त सचिव ने कहा, ''यहां जैसा विकास, जैसी बुनियादी अवसंरचना होनी चाहिए थी वैसा कुछ भी नहीं हुआ। मध्य प्रदेश में महाकौशल को जो स्थान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। जनता जागरूक है और सब कुछ समझती है। महाकौशल क्षेत्र की अधिकतर सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर है वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गठबंधन ने कुछ सीटों पर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। गोंगपा का पहले महाकौशल क्षेत्र में खासा प्रभाव था, लेकिन अब वह कई गुटों में बंट गई है और उसके नेता भी बिखर गए हैं। नरसिंहपुर जिले के एक निजी विद्यालय में शिक्षक संदीप यादव ने कहा, ''बेरोजगारी यहां सबसे बड़ा मुद्दा है, हजार पद निकलते हैं तो लाखों लोग आवेदन भरते हैं. कुछ परीक्षाएं हुईं भी, लेकिन उनके परिणाम नहीं आए. युवाओं के मन में कहीं न कहीं रोष है. युवा इसे ध्यान में रखकर मतदान करेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन की बड़ी वजह आदिवासियों की नाराजगी मानी गई थी।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ढूंढना होगा भू-धंसाव से बचने का तरीका

"विषेशज्ञों का कहना है कि प्रकृति के साथ मनुष्यों द्वारा की जा रही ज्यादिती की वजह से ऐसी दुर्घटनाएं घट रही हैं। लोग अगर नहीं चेतेंगे तो ऐसीधटनाएं रूकेंगी नहीं। अब लोगों को अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए कोशिश करनी होगी ऐसी घटनाएं न हों। 3 दिनों से फंसे 40 से ज्यादा लोगों को निकालने में हर सेकंड महत्वपूर्ण है।

उत्तरकाशी-देहरादून-सिल्क्यारा-पोलगांव सुरंग के अंदर रविवार से 40 लोग फंसे हैं। उन लोगों को निकालने के प्रयास जारी है। पहाड़ी राज्यों में इस तरह की घटनाएं कुछ दिनों से बढ़ गई हैं। भूधंसाव से जान माल का नुकसान हो रहा है। विषेशज्ञों का कहना है कि प्रकृति के साथ मनुष्यों द्वारा की जा रही ज्यादिती की वजह से ऐसी दुर्घटनाएं घट रही हैं। लोग अगर नहीं चेतेंगे तो ऐसी घटनाएं रूकेंगी नहीं। अब लोगों को अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए कोशिश करनी होगी ऐसी घटनाएं न हों। 3 दिनों से फंसे 40 से ज्यादा लोगों को निकालने में हर सेकंड महत्वपूर्ण है। बताया जा रहा है कि फंसे हुए लोगों में सेहत संबंधी समस्याएं सामने आने लगी हैं। मंगलवार को फंसे हुए श्रमिकों की डॉक्टरों से बात कराई गई। इस दौरान मजदूरों ने उल्टी और सिरदर्द की शिकायत की है। चिकित्सक डॉ. बीएस पोखरियाल ने बताया कि सुरंग में फंसे लोग बीमार पड़ने लगे हैं। हमने उन्हें मल्टी-विटामिन दिया है, लेकिन हम ओआरएस पाउच नहीं भेज सकते क्योंकि यह पाइप में फंस सकता है, जिससे मजदूरों से कम्युनिकेशन और उन्हें भोजन-पानी भेजने में दिक्कत आ सकती है।

रविवार रात जब सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों से पहली बार वॉकी-टॉकी के जरिये संपर्क हुआ तो उन्होंने खाना मांगा था। यह इच्छा उन्होंने कागज पर लिखकर पाइपलाइन के जरिए भेजी थी। इसके साथ ही मजदूरों ने यह भी लिखा था कि खाने की भले कमी हो जाए, लेकिन ऑक्सीजन की कमी मत होने देना। साथ ही उन्होंने तंबाकू की मांग भी की। वहां मौजूद अधिकारियों ने कहा कि सुरंग में पर्याप्त पानी है। इमरजेंसी हालात को देखते हुए वहां पर्याप्त पानी रखा जाता है, इसलिए पानी सप्लाई की कोई चिंता नहीं है। सुरंग के अंदर बिजली है और वहां अंदर घूमने के लिए भी लगभग 1 किमी की जगह है। इससे उन्हें तब तक सुविधा होगी, जब तक उन्हें बाहर नहीं निकाला जाता। उत्तरकाशी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसीएस पंवार ने कहा कि सुरंग के अंदर रहने वालों को गैस्ट्राइटिस या एंजायटी की समस्या हो सकती है। हम लगातार मेडिकल से जुड़ी चीजों की आपूर्ति कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों ने फंसे हुए श्रमिकों के सामने आने वाली शारीरिक चुनौतियों के बारे में चिंता जताई थी क्योंकि कम ऑक्सीजन और क्लॉस्ट्रोफोबिक स्थितियों से मजदूरों में मतिभ्रम जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।उन्होंने कहा कि हमने 7 हजार लीटर क्षमता वाले 25-30 जंबो ऑक्सीजन सिलेंडर अलग रखे हैं। जब जरूरत होगी, हमारे कर्मचारी उन्हें सुरंग अधिकारियों तक पहुंचा देंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निर्यात बढ़ाने को चाहिए मजबूत बुनियादी ढांचा

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत की अर्थव्यवस्था के चर्चे चारों ओर हैं। आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और कई रेटिंग एजेंसियां इसके तेजी से बढ़ने की बातें कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी एस एंड पी के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान के 3.4 खरब डॉलर से बढ़कर 2030 में 7.3 खरब डॉलर हो जायेगी। भारत की अर्थव्यवस्था अभी ही इंग्लैंड और फ्रांस से आगे निकल गई है। अब बारी है जर्मनी की और उसके करीब पहुंचने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था गतिशील है। अभी तक अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक सही दिशा में हैं और सबसे बड़ी बात है कि कृषि की स्थिति मजबूत है, अनाजों की पैदावार घटी नहीं है बल्कि बढ़ी ही है, जिस कारण से देश में महंगाई अन्य देशों से काफी कम है। पड़ोसी देश पाकिस्तान का उदाहरण हमारे सामने है जहां 32 फीसदी से भी ज्यादा महंगाई की दर है जिससे जनता की कमर टूट गई है। इस मामले में हम भाग्यशाली हैं कि हमारे यहां पैदावार बढ़ती जा रही है और देश सूखे या अतिवृष्टि से बचा हुआ है। यह हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और हमें शक्ति प्रदान कर रही है।

भारत की जीडीपी में कृषि के अलावा सर्विस सेक्टर, रियल एस्टेट वगैरह का तो बड़ा हाथ है ही, निर्यात का भी हाथ है लेकिन यह अभी हमारा मजबूत पक्ष नहीं है। आंकड़े बता रहे हैं कि भारत का कुल निर्यात इस साल की पहली छमाही में 800 अरब डॉलर का रहा है और इसमें बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। लेकिन अगर हम चीन का निर्यात देखें तो धक्का-सा लगता है। चीन का जुलाई महीने का निर्यात ही 281.76 अरब डॉलर का रहा है और यह भी तब जब वहां मंदी की आहट सुनाई पड़ रही है। इससे दो बातें साबित होती हैं। एक तो यह कि हम अगर विश्व अर्थव्यवस्था में एक मुकाम पाना चाहते हैं तो हमें निर्यात में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी करनी होगी। चीन ने बहुत चालाकी से अपना निर्यात बढ़ाया था और डुप्लीकेट सामान सस्ते दामों में उत्पादित करके सारी दुनिया में बेचा। लेकिन साथ-साथ अपनी टेक्नॉलॉजी में बहुत सुधार किया जिससे उसके बनाये सामान सारी दुनिया में बिकते रहे। इससे उसे निर्यात से बहुत फायदा हुआ और उस धन का बड़ा हिस्सा फिर निर्यात बढ़ाने में लगाया। निर्यात बढ़ाने के लिए उसने कमजोर देशों की बांहें मरोड़ने का भी काम किया जो भारत कभी नहीं करेगा। इस समय भारत के दुनिया के प्रमुख देशों से अच्छे संबंध हैं खासकर अमेरिका से जो उसका सबसे बड़ा व्यापारिक पार्टनर है। एक और बात जो भारत के पक्ष में जाती है- हमारा कृषि का निर्यात बढ़कर 52 अरब डॉलर हो गया है।

आज यह स्थिति है कि भारत में फसल के अच्छे होने या खराब होने का दुनिया के कई देशों पर असर पड़ता है क्योंकि भारत का वहां बड़े पैमाने पर निर्यात है। कृषि निर्यात को बढ़ाकर दुगना किया जा सकता है, लेकिन इसके रास्ते में चुनौतियां बहुत हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी कृषि व्यवस्था उतनी नियोजित नहीं है और उसमें कई खामियां हैं। भारत सरकार ने बासमती चावल, दालों, गेहूं, चीनी वगैरह के निर्यात पर अभी कई तरह के प्रतिबंध लगाये हैं। अभी इसी जुलाई में लॉन्ग ग्रेन व्हाइट राइस के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। यह सब देश में इनकी कीमतें बढ़ने न देने के लिए किया जा रहा है। इसी तरह प्याज की कई किस्मों पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है। इससे हमारा निर्यात प्रभावित होता है और हम इस क्षेत्र में पिछड़ जाते हैं। हमारी जगह आयातक अब वियतनाम, थाईलैंड पाकिस्तान आदि से चावल खरीद रहे हैं। अब सरकार नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के जरिये 11 देशों को चावल 12 लाख टन लॉन्ग ग्रेन राइस का निर्यात करेगी। इससे छोटी राइस मिलों और निर्यातकों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (फियो) के डीजी और सीईओ डॉ. अजय सहाय कहते हैं कि कुछ प्रयास से भारत का निर्यात और बढ़ सकता है। दुनियाभर में निर्यात का ढांचा बदल रहा है। अब टेक्नोलॉजिकल सामानों के निर्यात का बाजार बहुत बड़ा हो गया है और इनमें हमारा योगदान एक फीसदी भी नहीं है जबकि यह बाजार 7 अरब डॉलर का है।

इस दिशा में प्रयास करके हम अपना निर्यात काफी बढ़ा सकते हैं। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक पीएमआई में हमारा निर्यात बढ़ रहा है, मोबाइल फोन इसका बड़ा उदाहरण है। इसके अलावा फार्मा क्षेत्र में भी हम आगे हैं। इतना ही नहीं, जो ग्लोबल कंपनियां भारत आना चाह रही हैं वे यहां से निर्यात भी करेंगी। उधर अमेरिका चाह रहा है कि विश्व बाजार में चीन की जगह कोई दूसरा देश ले और यह भारत के लिए बड़ा अवसर है। यह हमारे लिए वरदान साबित होगा। सरकार आगे चलकर कुछ टैक्सों में छूट भी दे सकती है। लेकिन निर्यात बढ़ाने के लिए जो विशालकाय और चुस्त बुनियादी ढांचा चाहिए, वह भारत में अभी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं है।

अस्तित्व बचाने को कारगर न्यूनतम जरूरत की सीख

हर्षदेव

इस साल अगस्त माह बीते 123 वर्ष में सबसे ज्यादा सूखा रहा जबकि नाकाफी बारिश ने भी हिमाचल, सिक्किम, गुजरात और नागपुर में कहर ढहा दिया। उधर न्यूयॉर्क व ऑस्ट्रेलिया में तूफानों ने तबाही मचाई, ब्रिटेनवासियों ने आग बरसाती गर्मी झेली, और लीबिया की बाढ़ में 20 हजार लोगों की मौत ने तो जैसे कुदरती कोप का विस्फोट ही कर दिया। यदि जलवायु संतुलन उपायों में और देर हुई तो पृथ्वी को विनाश से बचाना असंभव होगा। याद रखें पर्यावरण पर होने वाले विश्व सम्मेलनों में संकल्प तो बड़े-बड़े लिए जाते हैं, दूरगामी योजनाएं बनाई जाती हैं,लेकिन अमल में हीला-हवाली की जाती है। शायद इसीलिए संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे जलवायु सम्मेलन में कुदरती ईंधन कोयला-तेल आदि का इस्तेमाल बंद करने की लंबी योजनाओं को एजेंडे से बाहर रखने की मांग रखी गई है।

इस बीच कुछ अहम आशाजनक वैज्ञानिक सुझाव सामने आए हैं। जो मनुष्य की जीवनशैली को प्रकृति अनुकूल बनाकर पृथ्वी को संकट से उबारने का भरोसा पैदा करते हैं। एक सुझाव मिनिमलिज्म यानी न्यूनतमवाद जो उपभोक्तावाद के निषेध पर आधारित है। हिमाचल में वर्षा से भीषण तबाही के समय आईआईटी,मंडी के डायरेक्टर लक्ष्मीधर बेहरा ने इन आपदाओं की वजह पशुओं के अंधाधुंध वध को बताया था। उनके कथन को वैज्ञानिक कसौटी पर परखने के बाद न्यूनतमवाद पर विचार और भी जरूरी हो जाता है जिसे समझने को पत्रिका 'डाउन टु अर्थ' में प्रकाशित एक लेख कुंजी का काम करता है कि पृथ्वी का अंधाधुंध दोहन रोके बिना पर्यावरण को विनाश से नहीं बचाया जा सकता। इसकी शर्त है हवा-पानी-वन क्षेत्र संरक्षित करना। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार हवा-पानी-वन क्षेत्र के अंधाधुंध दोहन और मनुष्यों-पशुओं की बढ़ती जरूरतों का ग्लोबल वार्मिंग से सीधा संबंध है। लेखिका साराह ब्राउन के अनुसार, 2050 में मनुष्यों की आबादी 9 अरब 60 करोड़ होगी।

इसके लिए खेती की जमीन का निरंतर विस्तार करना होगा जो जंगलों को नष्ट करके ही संभव है। इतनी विशाल आबादी का पेट भरने के लिए पशुपालन भी बढ़ाना होगा और अतिरिक्त भूमि की जरूरत होगी। लेकिन इसके लिए भूमि ही नहीं, हवा-पानी की भी उतनी ही अधिक मात्रा में जरूरत होगी जबकि ऐसा करते ही पर्यावरण संतुलन धराशायी होना तय है। तथ्य यह कि इस संकट की व्यूहरचना मनुष्य ने स्वयं की है। पशुपालन और खेती का रकबा बढ़ाने के लिए प्रति सेकंड लगभग दो एकड़ वनक्षेत्र नष्ट किया जा रहा है। यह पृथ्वी का वही वन क्षेत्र है जो वनस्पतियों और पशुओं का पालन 70 लाख वर्ष से करता आ रहा है। यह क्षेत्र जितना कम होगा, विनाश उतना ही बढ़ता आएगा। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी को लेकर भी यही संकट है। बेशक 70 फीसदी भाग में पानी है लेकिन इसकी बहुत ही छोटी मात्रा यानी केवल 2.50 प्रतिशत उपयोगी है। इसका भी 92 फीसदी हिस्सा खेती में जबकि एक-तिहाई भाग पशुओं के लिए इस्तेमाल होता है। जलवायु असंतुलन और ग्लोबल वार्मिंग के समाधान पर विचार के लिए दुनियाभर के नियंताओं का हर साल जमघट लगता है लेकिन वहां तय उपाय नतीजे दे पाने में नाकाम हैं।

इस बीच प्रकृति-पृथ्वी बचाने को सचेत लोगों की ओर से पेश मिनिमलिज्म का सिद्धान्त महत्वपूर्ण है। जापान में मिनिमलिज्म खूब लोकप्रिय है। जिसका मंत्र है- 'बड़े घर, बड़ी गाड़ियों, बड़ी जमीनों को तिलांजलि दो।' इसके अनुयायियों ने सीमित कपड़े, न्यूनतम सामान की मितव्ययी राह पकड़ी है। उनका दावा है कि इस राह पर वे पहले से अधिक खुश हैं। वे दिखावटी साजो-सामान नापसंद करने लगे हैं। यहां महात्मा गांधी की 'न्यूनतम जरूरत' की सीख का स्मरण उपयुक्त होगा। गांधी जी के स्वयं सूत कातकर खादी पहनने के नियम के पीछे यही आदर्श था। 'मिनिमलिज्म' की व्याख्या दो तरह से की जा सकती है- एक, धीरे ही सही, लेकिन पनपते रहेंगे और ज्यादा जिएंगे या दो, सर्वनाश देखते-देखते मरेंगे। इन दो विकल्पों में से यदि एक को चुनना पड़े तो मानव जाति पहला ही चुनेगी। लेकिन क्या हम इस विचार की ओर प्रेरित होंगे?

असल में, जब तक विकास के मापदंड इकनॉमिक ग्रोथ और जीडीपी के आंकड़े रहेंगे, तब तक धरती बचाने की योजनाएं और कवायदें भ्रामक ही रहेंगी। ऐसी कौन कंपनी होगी, जो तरक्की की अपनी योजनाओं पर रिवर्स गियर लगाएगी? जो कंपनी आज एक लाख स्कूटर या तीस हजार कारें बना रही है, उसके अगले वर्ष के टारगेट 10 प्रतिशत या उससे भी अधिक होंगे। उत्पाद चाहे कोई भी हो, सेल्स टारगेट बढ़ते ही जायेंगे और उपभोग भी। अधिक एसी, अधिक फ्रिज-टीवी-मकान-वेतन, अधिक व्यवसाय, सब कुछ अधिक! फिर क्यों न होगा अधिक कार्बन उत्सर्जन और अधिक नुकसान पर्यावरण का। फिर कैसे बच पाएगी धरती? क्या हम खुद का उपभोग कम करने को तैयार हैं? लाइट, पंखे, एसी फालतू चलते हैं। वाटर प्यूरीफायर से लेकर टॉयलेट्स में जैसे पानी बहाया जाता है, उसे नहीं रोकेंगे, लेकिन पर्यावरण संरक्षण की बात करेंगे! आत्मावलोकन करना जरूरी है। जब तक उपभोग कम नहीं करेंगे तब तक उत्पादन कम नहीं होगा। और जब तक उत्पादन कम नहीं होगा, अपशिष्टों से धरती लहूलुहान होती रहेगी। उपभोग में केवल मेरे अकेले के कटौती करने से क्या होगा, की सोच से ऊपर उठना होगा। शायद एक पीढ़ी बाद इसके कुछ सुखद परिणाम सामने आ सकेंगे। धरती बची रहेगी तो ही रहेगा हमारा अस्तित्व।

बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए खिलाएं ये फूड्स

बच्चे के विकास में खान पान की चीजें बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। अगर पेरेंट्स बचपने से ही उन्हें हेल्दी चीजें खिलाएं, तो उनकी सेहत और हाइट दोनों अच्छी होंगी। कई बार जेनेटिक कारणों की वजह से भी बच्चे की हाइट नहीं बढ़ती है। अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से परेशान हैं, तो उनकी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल कर सकते हैं, जिन्हें खाने से बच्चे की हाइट में सुधार हो सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

बच्चे के विकास के लिए हरी सब्जियां भी खिला सकते हैं। इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर, फोलेट, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

अंडे

अंडे प्रोटीन का समृद्ध स्रोत है। इसमें विटामिन बी2 पाया जाता है। जो बच्चे की लंबाई बढ़ाने में मददगार है। अगर आप अपने बच्चे की हाइट बढ़ाना चाहते हैं, तो उनकी डाइट में अंडे जरूर दें। इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। अंडा हृदय रोग से बचाता है। अंडा मांसपेशियां मजबूत करता है। अंडा के सेवन से मस्तिष्क स्वास्थ्य रहता है। अंडा आयु संबंधित गिरावट से आपकी आंखों की रक्षा करता है। अंडा अच्छी ऊर्जा उत्पादन करता है।

सोयाबीन

सोयाबीन शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। जिससे लंबाई बढ़ने में मदद मिलती है। आप सोयाबीन की स्वादिष्ट डिशेज बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं। सोयाबीन हेल्दी वेट गेन और वेट लूज में भी मदद करता है, बशर्ते उसे सीमित मात्रा में खाया जाए तो। सोयाबीन में फाइबर और प्रोटीन अत्यधिक मात्रा में होता है। इसलिए यह उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जो वजन घटाना चाहते हैं और उन लोगों के लिए भी जो बढ़ते वजन को कम करना चाहते हैं।

केला

पौष्टिक गुणों से भरपूर केला बच्चे की लंबाई बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। यह फल कैल्शियम, पोटैशियम, मैंगनीज, घुलनशील फाइबर जैसे कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस फल को उन्हें जरूर खिलाएं। केला खाने से अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है। अगर आप कोई मेहनत का काम करते हैं तो केला जरूर खाएं, क्योंकि केला हमारे शरीर को अत्यधिक ऊर्जा प्रदान करता है, शरीर में ऊर्जा बनाए रखने और व्यायाम करने के लिए केला बहुत महत्वपूर्ण होता है।

फिश

बच्चे के विकास में मछली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम और कई महत्वपूर्ण विटामिन्स पाए जाते हैं। जो बच्चे के विकास में सहायक है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए आप उन्हें दूध, दही, पनीर आदि चीजें जरूर खिलाएं। इनमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-डी और विटामिन-ई पाए जाते हैं। इनमें प्रोटीन और कैल्शियम भी पाए जाते हैं, जो बच्चे की ग्रोथ में सहायक है। कई बार शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी बच्चे की हाइट कम हो सकती है, इसलिए उनकी डाइट में विटामिन-डी युक्त चीजें शामिल करना जरूरी है।

हंसना मना है

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते हैं, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और, मच्छर है कि जाते नहीं है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर: जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? पेशंट: पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ: सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबंड: तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू का इंटरव्यू: बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको 100 प्रतिशत पता होता हैं की उसका हसबंड कहा हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

कहानी | सूरदास जी की गुरु भक्ति

आखिर सूर के जीवन की शाम ढल आई। सूर गोवर्धन से नीचे उतरकर घाटी में आ गए और आखिरी सांसे लेने लगे। उधर श्री वल्लभाचार्य जी के सुपुत्र गोस्वामी विटठलनाथ जी ने अपने सभी गुरू-भाइयों और शिष्यो के बीच डुगडुगी बजवा दी - भगवद मार्ग का जहाज अब जाना चाहता है। जिसने आखिरी बार दर्शन करना है, कर लो। समाचार मिलते ही जनसमूह सूर की कुटिया तक उमड़ पड़ा। जिसने अपने कंठ की वीणा को झनका-झनका कर प्रभु-मिलन के गीत सुनाए, आज उसी से बिछुड़ने की बेला थी। भक्त-हर्दय भावुक हो उठे थे। बहुत संभालने पर भी सैकड़ों आंखों से रुलाइयां फूट रही थी। इसी बीच गुरूभाई चतुर्भुजदास जी ने सूर से एक प्रश्न किया: देव, एक जिज्ञासा है। शमन करे। सूरदास जी: कहो भाई। चतुर्भुजदास जी: देव, आप जीवन भर कृष्ण-माधुरी छलकाते रहे। कृष्ण प्रेम में पद रचे, कृष्ण-धुन में ही मंजीरे खनकाए। कृष्ण-कृष्ण करते-करते आप कृष्णमय हो गए। परन्तु... सूरदास जी: परन्तु क्या, चतुर्भुज..? चतुर्भुजदास जी- ..परन्तु आपने अपने और हम सबके गुरुदेव श्री वल्लभाचार्य जी के विषय मे तो कुछ कहा ही नहीं। गुरू-महिमा में तो पद ही नहीं रचे। यह सुनकर सूर सरसीली सी आवाज में बोले: अलग पद तो मैं तब रचता, जब मैं गुरुवर और कृष्ण में कोई भेद मानता। मेरी दृष्टि में तो स्वयं कृष्ण ही मुझे कृष्ण से मिलाने वल्लभ बनकर आए थे। ऐसा कहते ही सूर ने आखिरी सांस भरी और जीवन का आखिरी पद गुना। उनकी आंखे वल्लभ-मूर्ति के चरणों में गड़ी थी और वे कह रहे थे। भरोसो द्रढ इन चरनन केरौ, श्री वल्लभ नखचन्द्र छटा बिनु-सब जग मांझ अन्धेरो । साधन और नहीं या कलि मे जासो होत निबेरौ। सूर कहा कहै द्विविध आंधरौ बिना मोल के चेरौ ।। मुझे केवल एक आस, एक विश्वास, एक द्रढ भरोसा रहा-और वह इन(गुरू) चरणों का ही रहा। श्री वल्लभ न आते, तो सूर सूर न होता। उनके श्री नखों की चांदनी छटा के बिना मेरा सारा संसार घोर अंधेरे मे समाया रहता। मेरे भाइयो, इस कलीकाल मे पूर्ण गुरू के बिना कोई साधन, कोई चारा नहीं, जिसके द्वारा जीवन-नौका पार लग सके। सूर आज अंतिम घड़ी में कहता है कि, मेरे जीवन का बाहरी और भीतरी दोनों तरह का अंधेरा मेरे गुरू वल्लभ ने ही हरा। वरना मेरी क्या बिसात थी। मैं तो उनका बिना मोल का चेरा भर रहा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम जरूर देगा। काम का बोझ ज्यादा होने से परेशानी होगी।

तुला

आज आपके ज्यादातर मामले आसानी से सुलझ सकते हैं। आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएं बीच में अटक सकती हैं।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए काफी मेहनत भरा रहने वाला है। विद्यार्थियों को आज परीक्षा में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता है।

वृश्चिक

आज आपको हर मामले में भाग्य का भरपूर साथ मिलता दिख रहा है। नौकरी कर रहे जातकों को आज अपने साथियों से सावधान रहना होगा।

मिथुन

आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। भविष्य की योजनायें बनाने के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके सामने कुछ ऐसी परिस्थितियां आयेंगी।

धनु

आज का दिन खुशियां लेकर आया है। आज मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। पूराने निवेश से आज आपको लाभ होगा।

कर्क

आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा देंगे। खर्चा अधिक हो सकता है।

मकर

ऑफिस के कार्य हेतु यात्रा पर जाने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में कुछ उथल पुथल रहेगी। छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर आप अपने घर की शांति बनाए रख सकते हैं।

सिंह

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फायदा रहेगा। आज परिवार के लोग आपका हर मामले में साथ देंगे व आपको नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

कुम्भ

आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। यदि आज आप किसी की भूमि, वाहन आदि की खरीदारी करना चाहते हैं, तो वह आपको बिना विघ्न के उपलब्ध होगी।

कन्या

आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। पिछले किये गये प्रयासों का फल मिलने वाला है। आज आपकी भूमिका नेतृत्वकारी रहेगी।

मीन

आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला हैं। आज लोगों का आपके ऊपर भरोसा बढ़ेगा। बिजनेस के मामलों में आज आप सही ढ़ग से अपनी बात रख पायेंगे।

दीपिका पर नहीं होता सोशल मीडिया ट्रोलिंग का असर, बोलीं- मैं सच कहने से नहीं डरती हूं

बॉलीवुड | मसाला

दीपिका पादुकोण इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री की लिस्ट में शुमार हैं। शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम से डेब्यू करने के बाद से उन्होंने कई शानदार प्रोजेक्ट्स में काम किया है। यही वजह है कि आज अभिनेत्री किसी पहचान की मोहताज नहीं है। दीपिका ने बॉलीवुड के अलावा हॉलीवुड में भी अपनी अभिनय प्रतिभा से रूबरू कराया है। इस साल फिल्म जवान और पठान में उन्होंने अपने किरदारों से खूब वाहवाही लूटी। अब हाल ही में, दीपिका ने ट्रोलिंग पर खुलकर अपनी राय रखी है। दीपिका ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह अपने मन की बात रखने से नहीं डरती हैं। दीपिका ने कहा, जब मैं किसी चीज के बारे में बहुत दृढ़ता या जुनून महसूस करती हूं, तो मैं खुद को अभिव्यक्त करने के बारे में दो बार नहीं सोचती। मैं ऐसी व्यक्ति बन गई हूं, जहां मैं सच बोलने या गलतियां स्वीकार करने से नहीं डरती हूं। मैं सॉरी कहने से नहीं डरती हूं। इस साल की शुरुआत में दीपिका फिल्म पठान के गाने बेशरम रंग को लेकर विवादों में फंस गई थीं, जिसमें उन्होंने एक सीक्वेंस में भगवा रंग की बिकिनी पहनी थी। भाजपा मंत्रियों और दक्षिणपंथी संगठनों ने दावा किया कि ट्रैक ने भगवा रंग का अपमान किया है जो हिंदू समुदाय के लिए पवित्र है। इस पर अभिनेत्री ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब दीपिका ने उस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा, मुझे कमरे में एकमात्र व्यक्ति होने में कोई आपत्ति नहीं है जिसकी सोच अलग है। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पिछले दिनों फिल्म जवान में कैमियो करती नजर आई थीं। इसके अलावा अभिनेत्री पाइपलाइन और साउथ के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी में भी नजर आने वाले हैं। पिछले दिनों दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी शादी की सालगिरह मनाई थी।

रोहित शर्मा के फैन हैं रणबीर कपूर

सेमीफाइनल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे थे एक्टर

पूरे देश में भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमी फाइनल क्रिकेट वर्ल्ड कप का खुमार छाया है। इंडिया वर्सेज न्यू जीलैंड सेमी फाइनल मैच की दीवानगी आम लोगों से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटीज में भी देखने को मिल रही है। बॉलीवुड के हैंडसम एक्टर रणबीर कपूर मैच देखने के लिए वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। रणबीर इन दिनों फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मूवी में फैंस को उनके कैरेक्टर में कई शेड्स देखने को मिलेंगे। पिता के लिए जान न्योछावर कर देने वाले बेटे के रूप में दिखने वाले रणबीर का राउडी अवतार भी इस मूवी में उनके चाहने वालों को देखने को मिलने वाला है। फिल्म की रिलीज डेट नजदीक है। ऐसे में मेकर्स ने इसका नए सिरे प्रमोशन शुरू कर दिया है। रणबीर मैच में अपनी इस अपकमिंग फिल्म का प्रमोशन करते नजर आएंगे। एक्टर ने क्रिकेट को लेकर अपनी दीवानगी का खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैंने 2011 में वानखेड़े स्टेडियम में महेंद्र सिंह धोनी को ट्रॉफी लेते देखा है। जब रणबीर से पूछा गया कि भारत का मैच होने पर उनका भी दिल उतना ही धड़कता होगा, जितना कि आम जनता का, तो उन्होंने कहा, वो फीलिंग ही कुछ और है। जब वंदेमातरम गाना शुरू होता है, तो वो फीलिंग ही अलग है। ऐसा तो मैंने किसी फिल्म में भी महसूस नहीं किया है। रणबीर ने ये भी बताया कि उन्होंने फुटबॉल सहित अन्य मैच भी लाइव देखे हैं। इसके साथ ही अपने फेवरेट क्रिकेटर का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि वह रोहित शर्मा के फैन हैं। इससे पहले रणबीर की सोशल मीडिया पर एक फोटो सामने आई थी, जिसमें उन्हें इंडियन जर्सी में पोज देते देखा गया था। इस जर्सी पर अपकमिंग फिल्म एनिमल लिखा था। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी एनिमल 1 दिसंबर को रिलीज हो रही है। मूवी में रणबीर के अलावा अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल का भी मुख्य रोल है। इसके अलावा शक्ति कपूर भी फिल्म का हिस्सा हैं। हाल ही में इस मूवी का तीसरा गाना पापा मेरी जान रिलीज किया गया था।

बॉलीवुड | आंकड़े

टाइगर 3 अब तक किया 144.50 करोड़ का कारोबार

सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 का जादू इस समय फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। सिनेमाघरों में टाइगर 3 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। हर रोज टाइगर 3 की कमाई में काफी इजाफा देखने को मिल रहा। रिलीज के तीसरे दिन भी टाइगर 3 ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम रखा है। इस बीच टाइगर 3 के तीसरे दिन के कलेक्शन के ताजा आंकड़ों की डिटेल्स सामने आ गई है, ऐसे में आइए जानते हैं कि मंगलवार को टाइगर 3 ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन किया है। सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दिवाली के मौके पर टाइगर 3 सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर टाइगर 3 कमाई के मामले में आंधी काट रही है। पहले दो दिन में डायरेक्टर मनीष शर्मा की इस मूवी ने धमाकेदार कारोबार किया है। यही सिलसिला रिलीज तीसरे दिन भी कायम रहा है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर टाइगर 3 के तीसरे दिन के ताजा आंकड़े पेश किए हैं। तरण के मुताबिक- सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 ने रिलीज के तीसरे दिन 43.50 करोड़ की शानदार कमाई की है। मंगलवार के दिन कलेक्शन के मामले टाइगर 3 ने अपनी धाकड़ छाप छोड़ी है। स्पाई थ्रिलर टाइगर 3 ने शुरुआत में ही ये साबित कर दिया कि ये मूवी आने वाले दिनों कमाई के मामले में गदर मचाती हुई नजर आएगी। जवान और पठान की लिस्ट में टाइगर 3 बॉलीवुड की दो सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों के बारे में बात की जाए तो उसमें शाह रुख खान की इस साल आई फिल्में पठान और जवान का नाम शामिल है। अब इस सूची में सलमान खान की टाइगर 3 ने अपनी दावेदारी पेश की है। रिलीज के पहले तीन दिन में सबसे ज्यादा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली फिल्मों में टाइगर 3 तीसरे स्थान पर आ गई है। अब तक 3 दिन में टाइगर 3 ने कुल 144.50 करोड़ का कारोबार कर लिया है।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे खतरनाक शहर

जहां पहुंचने की सभी सड़कों को कर दिया गया है ब्लॉक

विटेनूम को 'दुनिया का सबसे खतरनाक शहर' कहा जाता है, जो पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में है। यह इतना घातक है कि इसका नाम नक्शों से ही मिटा दिया गया है। इतना ही नहीं यहां तक पहुंचने के सभी रास्तों को भी ब्लॉक कर दिया गया है। आखिर ऐसा क्यों किया गया है। इसकी वजह जानकर आप हैरान हो जाएंगे। खतरों के बावजूद फिर भी कुछ लोग यहां आने से मान नहीं रहे हैं। विटेनूम शहर को धीरे-धीरे ध्वस्त किया जा रहा है। अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालों पर मुकदमा चलाने की धमकी दी है। एक साल पहले, 80 वर्षीय लोरेन थॉमस यहां की अकेले निवासी थीं। एक समय इस जगह पर 800 से अधिक लोग रहा करते थे। लेकिन मई में लोरेन भी इस जगह को छोड़कर चली गईं। यह टाउन दक्षिणी गोलार्ध में सबसे बड़े प्रदूषित जगह के बीच में स्थित है, जो 50 हजार हेक्टेयर जहरीली धरती से घिरा हुआ है। यही कारण है कि इसे इतना घातक माना जाता है। 1930 के दशक में, एक लौह अयस्क टाइकून और एक कंगारू शिकारी सहित ऑस्ट्रेलियाई लोगों के एक ग्रुप ने पाया कि यह क्षेत्र नीले एस्बेस्टस से भरा हुआ है। उन्होंने इसका खनन शुरू कर दिया, जो स्टीम इंजनों को इन्सुलेट करने के लिए बहुत होता था। साथ ही स्प्रे-ऑन कोटिंग्स, प्लास्टिक और सीमेंट उत्पादों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता था। अगले तीन दशकों में, एस्बेस्टस के खनन के लिए हजारों मजदूरों को यहां लाया गया। 1966 में खदान बंद हो गई, क्योंकि इससे पर्याप्त कमाई नहीं हो रही थी। बहुत बाद में लोगों को यह पता चल पाया कि नीला एस्बेस्टस घातक होता है। अनुमान के मुताबिक, एस्बेस्टस से संबंधित बीमारियों की वजह से 2,000 से अधिक खनिकों, निवासियों और उनके परिवार के सदस्यों की मृत्यु हो गई, जिनमें से कई की मौत फेफड़ों के कैंसर की वजह से हुई। एस्बेस्टॉसिस से धीमी मौत मरने की भयावह संभावना के बावजूद कई पर्यटक इस स्थल पर जाने से खुद को रोक नहीं पाते हैं। भूमि मंत्री जॉन केरी ने पहले कहा था कि सरकार ने 'मूर्ख' विजिटर्स को रोकने के लिए शहर को बंद कर दिया है, जो इस वीरान पड़ी हुई जगह को देखने के लिए आते हैं। राज्य सरकार विटेनूम को ध्वस्त करने में लगी हुई है, यहां घातक एस्बेस्टस पूरे क्षेत्र में भरा पड़ा है। उसे हटाने की कोई मौजूदा प्लानिंग नहीं है।

कुत्ते जैसा दिखता है ये जीव, होते हैं 8 पैर, देखते ही लगने लगेगा डर!

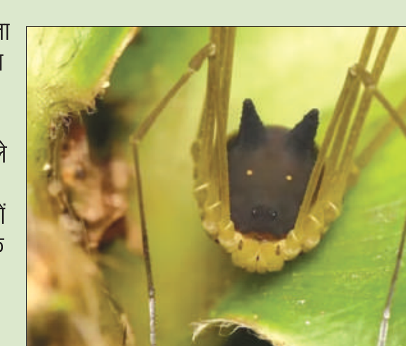

बन्नी हार्वेस्टमैन आठ पैरों वाला एक बड़ा ही अजीबोगरीब जीव है। जिसका शरीर काले रंग का होता है, दो कान जैसे उभरे हुए होते हैं और चमकीले पीले धब्बे होते हैं, जो आंखों की तरह दिखते हैं। कुछ लोगों कहते हैं कि ये जीव मकड़ी के पैरों वाले कुत्ते जैसा दिखता है। हालांकि बन्नी हार्वेस्टमैन मकड़ियां नहीं हैं, बल्कि वे अरचिन्ड हैं। इस जीव को देखते ही आपको डर लगने लगेगा। अब इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हो रही हैं। 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर इस जीव की तस्वीरों को @gunsnrosesgirlx नाम की यूजर ने पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, 'इक्वाडोर के अमेजन रेनफॉरेस्ट में एक अनोखा प्राणी है, जो मकड़ी जैसा दिखता है, शायद भेड़िए जैसा सिर वाला। जिसके पीले धब्बे 'नकली आंखें' हैं। यह वास्तव में एक बन्नी हार्वेस्टमैन (मेटाग्रीन बाइकोलुमनाटा) है, एक प्रकार का अरचिन्ड, जिसे डैडी लॉन्गलेग्स के नाम से भी जाना जाता है।' एंड्रियास के द्वारा यूट्यूब पर अपलोड किए गए वीडियो में आप बन्नी हार्वेस्टमैन जीव को देख सकते हैं। यह वीडियो उन्होंने इक्वाडोर के अमेजन रेनफॉरेस्ट में साल 2017 में बनाया था। iscoverwildlife.com की रिपोर्ट के अनुसार, बन्नी हार्वेस्टमैन धीमी गति से चलने वाले अरचिन्ड होते हैं, जो रात में या सुबह और शाम को एक्टिव रहते हैं। दिन के दौरान, आप आम तौर पर इन्हें पेड़ों के तने पर या लट्ठों के नीचे आराम करते हुए पाएंगे। यह जीव मकड़ियों की तरह दिखता है, जो शिकारी होते हैं। वे मृत कीड़ों, पक्षियों की मल, सड़ते पौधों और कवक को खाते हैं। न्यूजवीक ने लिखा है कि बन्नी हार्वेस्टमैन जहरीले नहीं होते हैं और मनुष्यों के लिए हानिरहित होते हैं। इस जीव के बारे में पहली बार 1959 में जर्मन जूलॉजिस्ट कार्ल फ्रेडरिक रोवर ने बताया था।

गृह मंत्रालय ने रचा लाल डायरी का षड़यंत्र: गहलोत

» भाजपा नेताओं ने हमारे मंत्री को मिलाया साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि कथित लाल डायरी का षड़यंत्र भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राजस्थान के एक तत्कालीन मंत्री के साथ मिलकर रचा था। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि उन्हें इसकी चिंता नहीं है, बल्कि उनका उद्देश्य राज्य में कांग्रेस की सरकार दोबारा बनवाना है। अशोक गहलोत सरकार के मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए राजेंद्र गुढ़ा आरोप लगाते हैं कि इस (लाल) डायरी में गहलोत व अन्य नेताओं के अवैध लेनदेन का ब्यौरा दर्ज है। डायरी के कुछ पन्नों की कथित तस्वीर हाल ही में सोशल मीडिया पर आई थी।

इस बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने एक बार फिर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वैसे तो पता नहीं कि लाल डायरी और काली डायरी कौन सी है, पर मुझे ऐसा लगता है कि यह सब केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अंदर रचे गए षड़्यंत्र के तहत हुआ। वहां पर डायरी को 'लाल डायरी नाम दिया गया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री चार दिन बाद सीकर आने वाले थे, उससे पहले उस व्यक्ति का दुरुपयोग किया गया जो हमारा मंत्री था। उससे बात करके, यह सब भाजपा के नेताओं ने किया, मंत्री (राजेंद्र गुढ़ा) के साथ में। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, ''इसलिए अगर लाल डायरी की बात करें, या कहें कि पन्ने आ रहे हैं जा रहे हैं... तो हम लोगों को उसकी चिंता नहीं है, हमारा एक ही उद्देश्य है कि कांग्रेस की सरकार दोबारा बने। हमने अच्छा काम किया है, अच्छा प्रशासन दिया है जिससे हमें यकीन है कि आम जनता हमारे कामों पर ठप्पा लगाएगी। गहलोत ने मणिपुर के हालात को लेकर भी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि देश का एक राज्य जल रहा है, लेकिन इसकी गंभीरता प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह समझ नहीं पा रहे हैं, प्रधानमंत्री एक बार भी वहां नहीं गए, वहां के लिए एक टिप्पणी तक नहीं की। जो टिप्पणी उन्होंने की वह यह थी कि मणिपुर, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को चाहिए कि शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना को तवज्जो न देने के लिए ऐसा किया गया।

केजरीवाल और प्रियंका को चुनाव आयोग का नोटिस

चुनाव आयोग ने आप के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी कि आप पार्टी के आधिकारिक हैंडल पर पोस्ट किए गए दो ट्वीट में पीएम मोदी को अपमानजनक तरीके से दर्शाया गया है। चुनाव आयोग का कहना है, प्रथम दृष्टया में पोस्ट में आदर्श आचार संहिता के साथ-साथ कानून का उल्लंघन पाया गया है। उनसे 16 नवंबर तक स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। जिसमें पूछा गया है कि आचार संहिता के साथ-साथ चुनाव और कानूनों के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ उचित कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। चुनाव आयोग ने पीएम मोदी के खिलाफ मध्यप्रदेश की रैली में असत्यापित बयान देने के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को भी नोटिस भेजकर बृहस्पतिवार रात आठ बजे तक स्पष्टीकरण मांगा है। प्रियंका ने कहा था कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण कर दिया है।

कैलाश मेघवाल को बीजेपी ने किया निष्कासित

राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने बागियों पर एक्शन लेना शुरू कर दिया है। पार्टी ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल को बीजेपी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। बीजेपी के उतारे हुए उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी ने उन पर ये एक्शन लिया है। भीलवाड़ा से टिकट देने के बाद बीजेपी ने निर्दलीय उम्मीदवारों से नामांकन वापस लेने की बात कही। लेकिन कई नेताओं ने नामांकन वापस नहीं लिया, जिसके बाद पार्टी ने ये एक्शन लिया है। राजस्थान बीजेपी के स्टेट डिसीप्लेनेरी कमेटी प्रमुख ओंकार सिंह लखावत ने इसको लेकर आदेश जारी किए हैं। अपने आदेश में लखावत ने लिखा कि कैलाश मेघवाल ने बीजेपी के प्राथमिक सदस्य रहते हुए भीलवाड़ा के शाहपुरा से निर्दलीय नामांकन भरा। कैलाश चंद्र मेघवाल राजस्थान राज्य विधानसभा में सबसे उम्रदराज सदस्य हैं। जब उन्होंने चुनाव लड़ा तब उनकी उम्र 84 साल थी। भारतीय जनता पार्टी के कैलाश मेघवाल पूर्व में केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में इन्होंने भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। यहां उन्होंने जीत दर्ज कर सभी को हैरान कर दिया। मेघवाल ने इस चुनाव में कांग्रेस के महावीर प्रसाद के खिलाफ 74,082 वोटों से जीत दर्ज की थी। 22 मार्च 1934 को जन्मे मेघवाल एमए तक पढ़े हुए हैं, इन्होंने अपने करियर में कई चुनाव जीते हैं और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के रूप में भी पद संभाला है।

फैन थप्पड़ मामले में नाना पाटेकर पर एफआईआर की मांग

» आजाद अधिकार सेना ने कमिश्नर को भेजी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने फिल्म स्टार नाना पाटेकर द्वारा मंगलवार 14 नवंबर 2023 को वाराणसी में एक फैन को थप्पड़ मारे जाने और उनके क्रू द्वारा उसका गला दबोचे जाने के मामले में एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है।

पुलिस कमिश्नर वाराणसी को भेजी अपनी शिकायत में अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि नाना पाटेकर द्वारा जर्नी फिल्म की शूटिंग के दौरान दशाश्वमेध घाट के पास शूटिंग के दौरान सेल्फी ले रहे फैंस को एक जोरदार थप्पड़ जड़कर भगाने और क्रू मेंबर द्वारा उस फैन की गर्दन मरोड़ने के संबंध में वायरल हो रहे वीडियो को देखने से स्पष्ट है कि यह एक आपराधिक कृत्य है। उन्होंने कहा कि इस अपराध की गंभीरता इस कारण और बढ़ जाती है कि यह समाज में एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त एक सुप्रसिद्ध फिल्म स्टार द्वारा किया गया अपराधिक कार्य है। अत: अमिताभ ठाकुर ने इस घटना की सामाजिक रूप से अतीत गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की मांग की है।

बाल्केश्वर हनुमान मंदिर के अन्नकूट भंडारे में जुटे श्रद्धालु

» भव्य और दिव्य तरीके से किया गया आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज बालकेश्वर मन्दिर के ट्रस्टी पूर्व आईएएस नवनीत सहगल और महंत अशोक दास ने विधि विधान से भंडारा किया। भंडारे में दूर दराज से आए सभी सम्मानित साधु संतों का पैर प्रक्षालन कर पूरे भाव के साथ भोजन वितरित किया। सभी साधु संतों ने भोजन के उपरांत सहगल को ढेर सारा आशीर्वाद दिया।

वहां के महंत अशोक दास ने कहा कि सहगल जैसे अधिकारी बहुत कम पाए जाते हैं क्योंकि बड़ी बात यह है की इतनी व्यस्ततम शेड्यूल से समय निकालना बहुत बड़ी बात होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इतना विनम्र भाव होना साधुओं के प्रति वह एक बड़ा विषय है जो की शायद अन्य अधिकारियों में नहीं देखा जाता है। हम प्रभु से यही प्रार्थना करते हैं की सहगल को दीर्घ आयु प्रदान करे और उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण हो ऐसा हम प्रभु के चरणों में मां अन्नकूट के चरणों में प्रार्थना करते हैं। जब इस विषय में नवनीत सहगल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह हमारा परम सौभाग्य है कि हमें साधु जनों की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है कहते हैं कि प्रभु की जब बहुत कृपा होती है तब साधुजनों का संघ और सेवा का अवसर प्राप्त होता है तो हम तो यही मान कर चलते हैं की प्रभु की खूब कृपा हमारे ऊपर है और इसी तरह बनी रहे ताकि मैं साधु संतों की चरणों की सेवा करता रहूं और उनका आशीर्वाद मार्गदर्शन प्राप्त करता रहूं सभी को मेरा मेरा प्रणाम।

जम्मू के डोडा में हुई बस दुर्घटना पर उपराज्यपाल ने जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि डोडा के अस्सर में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

घटना बुधवार सुबह डोडा जिले के अससार इलाके में हुई। अधिकारियों ने कहा कि पंजीकरण संख्या जेके 02 सीएन-6555 वाली बस कथित तौर पर लगभग 40 यात्रियों को ले जा रही थी, यह बटोटे-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर त्रुंगल-अस्सार के पास सड़क से फिसल गई और 300 फीट नीचे गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और कुछ शव बरामद कर लिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि डोडा के अस्सर में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित व्यक्तियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त एवं जिला प्रशासन को निर्देशित किया। डोडा जिले में एक सप्ताह में यह दूसरी सड़क दुर्घटना है।

कोहली ने लगाया वनडे में शतकों का पचासा

» दुनिया के पहले खिलाड़ी बने किंग कोहली, सचिन तेंदुलकर भी पिछड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। विराट कोहली ने मुंबई के वनाखेड़े स्टेडियम में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ दिया। इस शतक के साथ किंग कोहली ने वनडे मे सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कोहली ने 106 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्के की मदद से शतक पूरा किया। यह कोहली का वनडे का 50वां शतक रहा और वे एकदिवसीय फॉर्मेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने।

पूर्व भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर 49 वनडे शतक लगाए थे, लेकिन अब कोहली ने दिग्गज के रिकॉर्ड को धराशाई कर दिया है, दिग्गज तेंदुलकर ने अपने करियर में 463 वनडे मुकाबले खेले। वहीं किंग कोहली ने अपना 291वां एकदिवसीय मुकाबला खेला। इसके अलावा कोहली ने वर्ल्ड कप के एक एडीशन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इस मामले में भी कोहली ने सचिन तेंदुलकर को पछाड़ा। कोहली से पहले वर्ल्ड कप के एक एडीशन में सबसे ज्याद रन सचिन तेंदुलकर ने बनाए थे, सचिन ने 2003 के वर्ल्डकप में 673 रन का स्कोर खड़ा किए थे, लेकिन अब कोहली ने उनके इस रिकॉर्ड पर भी अपना नाम लिखवा लिया है, 48 साल पुराने वर्ल्ड कप के इतिहास में कोहली एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन स्कोर करने वाले बल्लेबाज बने हैं।

न्यूजीलैंड को रौंदकर भारत फाइनल में

भारत ने न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में 70 रनों से हराया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम 12 साल बाद फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। बता दें कि, भारत के लिए मोहम्मद शमी ने 7 विकेट झटके। जिसके बाद शमी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए वर्ल्डकप सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर चौथी बार वनडे विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई है। अब उसका सामना ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे फाइनल के विजेता से होगा। भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 397 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन बनाकर आउट हो गई। इस दौरान भारत ने न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में 70 रनों से हराया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम 12 साल बाद फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। बता दें कि, भारत के लिए मोहम्मद शमी ने 7 विकेट झटके। जिसके बाद शमी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

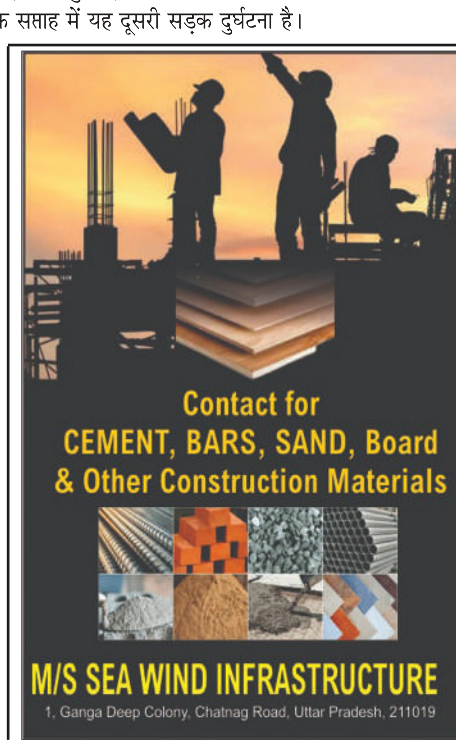

12 घंटे में दो ट्रेनों में लगी आग, कई जानें बचीं

» फिर सामने आई रेलवे की लापरवाही, इटावा में आग से भरा धुंआ, कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। इटावा जिले में बीती देर रात एक यात्री ट्रेन के एक डिब्बे में मामूली आग लग गई और इसका धुआं फैलने से कुछ लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। उत्तर प्रदेश के इटावा में 12 घंटे के अंदर यह दूसरी ऐसी घटना है।

इटावा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजय कुमार ने बताया, 'आग देर रात दो बज कर करीब 40 मिनट पर लगी जब ट्रेन फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस थानाक्षेत्र में थी। दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने आग पर काबू पा लिया। पुलिस के मुताबिक, आग दिल्ली-सहरसा वैशाली एक्सप्रेस के एस-6 कोच में लगी। एसपी ने कहा कि आग का धुआं फैलने से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, आग मामूली थी लेकिन डिब्बे में धुआं भर गया और कुछ यात्रियों से सांस लेने में दिक्कत हुई। इन यात्रियों को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने से किसी नुकसान की खबर नहीं हैं। उनके मुताबिक, इससे पहले बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे उत्तर प्रदेश के इटावा के पास नई दिल्ली-दरभंगा स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई, जिससे तीन डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए और आठ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

वैशाली एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में लगी आग, 19 यात्री घायल, 11 लोग सैफई रेफर

इटावा में वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में आग लग गई है। ट्रेन नंबर 12554 दिल्ली से सहरसा जा रही थी। इस बीच फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके के मैनपुरी आउटर फाटक के पास ट्रेन के कोच में अचानक आग लग गई। हादसे में 19 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 11 यात्रियों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी भेजा गया है। वहीं, आठ यात्रियों को मुख्यालय के डॉ.भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हादसे के शिकार अधिकाधिक रेल यात्री छठ पूजा में शामिल होने जा रहे थे। ग्रामीण इलाके के एसपी सत्यपाल सिंह ने बताया कि आग एस-6 कोच में लगी थी। जैसे ही सूचना मिली रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। इस हादसे में किसी जनहानि की खबर नहीं है और न ही किसी को नुकसान पहुंचा है। गाड़ी 30-35 मिनट के लिए रोकी गई थी।

> इटावा में हमसफर एक्सप्रेस में लगी आग का कारण गैस सिलेंडर बताया जा रहा है। गैस सिलेंडर की अनाधिकृत अनुमति भी भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला है, जिससे यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है। इस मामले की तत्काल जाँच हो और दोषियों को दंडित किया जाए। -अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

फोटोः सुमित कुमार

अभियान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज जातिगत जनगणना, लोकतंत्र बचाओ एवं संविधान बचाओ जागरूकता हेतु सामाजिक न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

फिर नाकाम रही यूपी पुलिस, राजधानी में इंजीनियरिंग की छात्रा से छेड़छाड़

» पिस्टल तानकर अपहरण की कोशिश, बोले-जान से मार दूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बीएचयू की छेड़खानी की घटना का अभी पटाक्षेप भी नहीं हुआ था कि प्रदेश की राजधानी में लखनऊ में एक छात्रा के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया। इस मामले के सामने आते ही पुलिस पर एकबार फिर सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब हो कि राजधानी में आए दिन महिलाओं के साथ अपराध हो रहे हैं, बावजूद इसके पुलिस इन अपराधियों पर लगाम नहीं लगा पा रही है।

पीजीआइ थाना क्षेत्र में दीपावली की सुबह घर के बाहर एक इंजीनियरिंग की छात्रा का पीछा कर रास्ता रोक छेड़छाड़ किया। विरोध पर आरोपित ने छात्रा पर पिस्टल तान अपहरण कर अपनी बाइक पर बैठने का दबाव बनाने लगा। आरोपित ने छात्रा से कहा कि चुपचाप बाइक पर बैठ जाओ वरना जान से मार दूंगा। छात्रा के शोर मचाने से आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपित फरार हो गया। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर आरोपित अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पीजीआइ प्रभारी बृजेश चंद तिवारी ने बताया कि अमित निजी नौकरी करता है। छात्रा के घर वाले एरिया में ही किराये पर रहता है। वह कुछ महीने से छात्रा को परेशान कर रहा था। दीपावली की सुबह 11 बजे निजी काम के लिए निकली छात्रा का रास्ता ने रोक छेड़छाड़ कर पिस्टल तानकर अपहरण करने की कोशिश की। छात्रा की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को थोड़ी दूरी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित से पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अब पुलिस को वारदात में उपयोग पिस्टल की तलाश है। अभी तक पिस्टल का कोई सुराग पुलिस को नहीं मिला है।

पुलिस सुरक्षा के दावों पर सवाल

शहर में दीपावली पर पुलिस अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था का दावा करती है। लेकिन बदमाशों ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी। दीपावली की सुबह पीजीआइ थाना एरिया में छात्रा से छेड़छाड़, अपहरण की कोशिश और पिस्टल तानकर धमकी दी गई। इसके बाद देर रात 2 बजे मानस नगर में घर के बाहर पीएसी के इंस्पेक्टर की पांच गोली मारकर बदमाश ने हत्या कर दी।

सुब्रत रॉय की अंतिम यात्रा में उमड़े हजारों लोग

» राजधानी के बैकुंठ धाम में दी गई मुखाग्नि

» सहारा शहर में लगा रहा लोगों का तांता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय की अंत्येष्टि बृहस्पतिवार को राजधानी के भैंसाकुंड में हुई। उनका शव बुधवार को मुंबई से लखनऊ लाया गया और अंतिम दर्शन के लिए सहारा शहर में रखा गया। रॉय के अंतिम दर्शन के लिए आम लोगों के साथ भारी संख्या में वीआईपी भी पहुंचे। लोगों का तांता देर रात तक लगा रहा।

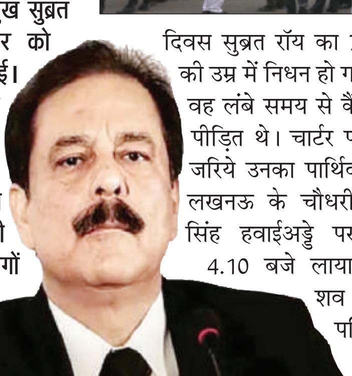

मुंबई के एक अस्पताल में गत दिवस सुब्रत रॉय का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। चार्टर प्लेन के जरिये उनका पार्थिव शरीर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाईअड्डे पर शाम 4.10 बजे लाया गया। शव को परिजन काफिले के साथ गोमतीनगर स्थित सहारा शहर उनके आवास पर पहुंचे। यहां भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच लोगों ने अंतिम दर्शन किए। अंत्येष्टि के लिए पार्थीव शरीर सहारा शहर से बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे से रवाना किया जाएगा। बड़ी संख्या में सहारा शहर पहुंचे सहारा परिवार के कर्मचारी व अधिकारियों की आंखें रॉय के पार्थिव शरीर को देखते ही नम हो गईं। ये लोग उनसे जुड़ी यादें एक-दूसरे से साझा करते नजर आए।

अखिलेश व ब्रजेश पाठक ने भी किए अंतिम दर्शन

सपा प्रमुख अखिलेश यादव, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक समेत कई वीवीआईपी सहारा शहर में अंतिम दर्शन करने पहुंचे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि सुब्रत रॉय का निधन बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने अपने जीवन काल में प्रदेश में बहुत बड़ा कारोबार खड़ा किया। हम उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। उधर, क्रिकेटर सुरेश रैना ने सुब्रत रॉय को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा कि प्रेरक, वक्ता और खेल प्रेमी नहीं रहे। ओलंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाड़ी योगेश्वर दत्त ने लिखा कि सहारा ग्रुप के चेयरमैन और विख्यात व्यवसायी रहे सुब्रत रॉय के निधन पर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि। सुब्रत रॉय का भारतीय खेलों के उत्थान में अहम योगदान रहा है। अभिनेत्री मनीषा कोईराला ने भी एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। लिखा, एक व्यक्ति जिन्होंने अपने संघर्ष के समय कभी हार नहीं मानी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।